सफलता की कहानी हेतू पत्रक

नाम कृषक : केशोराव
पिता का नाम : श्री विट्ठलराव
जाति : पिछड़ा वर्ग
ग्राम : एनखेड़ा
विकासखण्ड : मुलताई
तहसील : मुलताई
जिला : बैतूल
रकबा(हेक्टर में) : 1.892
उद्यानिकी के तहत रकबा : 0.900
प्रमुख उद्यानिकी फसले : पत्तागोभी, टमाटर, मिर्च
तकनीकी का उपयोग
- ड्रिप सिंचाई पद्धति
- मल्चिंग
- वर्मी कम्पोस्ट इकाई
- पैक हाउस
- उद्यानिकी में यंत्रीकरण का उपयोग
- पॉली हाउस/शेडनेट हाउस

प्रति एकड़ आय : 20000/-
कुल आय : 55000/-

कृषक की जुबानी, सफलता की कहानी-

मै कृषक केशोराव/विट्ठलराव ग्राम एनखेड़ा वि० ख० मुलताई का निवासी होकर स्वयं की कृषि भूमि रकबा 1.892 हेक्टर एवं सिंचाई स्रोत ट्यूबवेल है। वर्ष 2015-16 के पूर्व उद्यानिकी फसलो की उन्नत खेती से जुड़ी बारीकियो से अनभिज्ञ था। उद्यान विभाग के सम्पर्क मे आने से खेती की उन्नत तरीके मिट्टी परीक्षण, भूमि उपचार, बीज उपचार, फसलो मे अनुशंसा अनुसार खाद उर्वरक का उपयोग ड्रीप स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली के बारे मे जानकारी प्राप्त हुई। वर्ष 2015-2016 में सब्जी क्षेत्र विस्तार पत्तागोभी रकबा 0.500 हेतु रुपये 6160/- का अनुदान सामग्री रूप में प्राप्त हुआ। एवं फसल उत्पादन 140 क्विं से 35000/- का लाभ अर्जित हुआ।

भविष्य मे सिंचाई हेतु स्प्रिंकलर सिंचाई संयंत्र स्थापित करने की योजना है।

उद्यानिकि विभाग के आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिये आभार व्यक्त करता हूँ।

केशोराव
हस्ताक्षर कृषक
ग्राम एनखेड़ा
वि० ख० मुलताई

[signature]
वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी
विकास खण्ड, मुलताई